न्यूज डायरी

तालिबान राज का कहर, महिला एंकरों को सरकारी टीवी से निकाला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद दुनिया के सामने अपनी छवि बनाने में जुटे तालिबानी अब अपने असली रंग में आना शुरू हो गए हैं। अफगानिस्तान में महिलाओं को समान अधिकार देने का वादा करने वाले तालिबानियों ने सरकारी टीवी चैनल की एंकर खादिजा अमीन को बर्खास्त कर दिया है। उनकी जगह पर एक पुरुष तालिबानी एंकर को बैठाया गया है। वहीं एक अन्य महिला एंकर शबनम दावरान ने बताया कि हिजाब पहनने और आईडी कार्ड लाने के बाद भी उन्हें ऑफिस में घुसने नहीं दिया गया। शबनम को कहा गया कि अब तालिबान राज आ गया है और उन्हें घर जाना होगा। तालिबान राज आने के बाद अफगानिस्तान में महिलाएं अपने घरों में कैद होकर रह गई हैं। उन्हें न केवल अपने जीवन का डर सता रहा है बल्कि उनका भविष्य भी अब संकट में पड़ गया है।

अफगानिस्तान में फैल सकती है भुखमरी, संयुक्त राष्ट्र को आशंका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। कोरोना महामारी के साथ तालिबानी हिंसा की चपेट में आए अफगानिस्तान में अब अराजकता चरम पर पहुंच गई है। इससे अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की ओर से भी देश को मदद मिलने में भी बाधा आ रही है। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी के अनुसार यहां 1 करोड़ 40 लाख लोग भुखमरी के कगार पर हैं। हालात ये हैं कि संयुक्त राष्ट्र व अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के लिए काम करने वाले लोगों की सुरक्षा को भी गंभीर खतरा हो गया है। संयुक्त राष्ट्र ने अपने 100 कर्मचारियों को सुरक्षित निकालकर कजाखस्तान भेज दिया है। विश्व खाद्य योजना (डब्ल्यूएफपी) की कंट्री डायरेक्टर मेरी एलन मैकग्रोट्री ने एपी को काबुल से बताया कि अफगानिस्तान में चल रहे संघर्ष के दौरान यहां पर सबसे बड़ी दिक्कत जरूरतमंदों की सहायता करने में आ रही है। यही नहीं तीन साल में दूसरी बार अफगानिस्तान फिर अकाल और सूखे का सामना कर रहा है।

सालेह की ललकार, अफगानिस्तान को निगल नहीं सकते हैं पाकिस्तानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान का कार्यवाहक राष्ट्रपति घोषित करने वाले पंजशीर घाटी के बेटे अमरुल्ला सालेह ने पाकिस्तान और तालिबान की नापाक जोड़ी के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है। अफगानिस्तान से भागने की बजाय पंजशीर घाटी में अपना ठिकाना बनाने वाले अमरुल्ला सालेह ने कहा कि पाकिस्तान के लिए अफगानिस्तान इतना बड़ा है कि वह हमारे देश को निगल नहीं सकता है। तालिबान के सबसे बड़े दुश्मन सालेह ने आतंकियों पर भी जोरदार निशाना साधा है। सालेह ने ट्वीट करके कहा, मैं उन लोगों को सलाम करता हूं जो अफगानिस्तान का झंडा बुलंद किए हुए हैं और इस तरह से वह देश की गरिमा के लिए खड़े हैं। उन्होंने कहा, देशों को कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए न कि हिंसा का।

तालिबान ने बिना यात्रा दस्तावेज वाले लोगों से काबुल हवाईअड्डे को छोड़ने को कहा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। तालिबान के एक सदस्य ने गुरुवार को काबुल हवाई अड्डे के बाहर भीड़ से कहा कि केवल यात्रा दस्तावेज वाले लोगों को ही यहां प्रवेश की अनुमति होगी। एक निवासी मोहम्मद जमील ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, श्एक व्यक्ति जो हवाई अड्डे की सुरक्षा का प्रभारी होने का दावा करता है, ने हमें बताया कि जिन लोगों के पास कानूनी दस्तावेज नहीं हैं, उन्हें जल्द से जल्द गेट से बाहर जाना चाहिए। जमील के मुताबिक, बुधवार तड़के से प्रवेश का इंतजार कर हूं, लेकिन अफगान पहचान पत्र रखने वाला पासपोर्ट नहीं है। इसलिए वे नहीं जा सकते है। उन्होंने कहा कि वह यह सुनकर हवाई अड्डे पर पहुंचे थे कि विदेशी विमान लोगों को एयरलिफ्ट कर रहे हैं और किसी भी व्यक्ति को निकाल रहे हैं जो काबुल छोड़ना चाहता है। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने रविवार की रात देश छोड़ दिया था।

आजादी के दिन देश का झंडा लहराने के लिए तालिबान की गोलियां खा रहे है अफगानी

चिंता

तालिबानी प्रवक्ता का बड़ा ऐलान– अफगानिस्तान में नहीं होगा लोकतंत्र

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में राष्ट्रीय झंडे को लेकर चल रहा बवाल बढ़ता ही जा रहा है। अफगानिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर असादाबाद शहर में अफगान युवाओं ने एक रैली में जब अपने देश का आधिकारिक झंडा फहराया तो तालिबानी भड़क गए। तालिबानियों ने निहत्थी जनता पर गोलीबारी कर दिया जिसमें कई लोग हताहत हुए हैं। पिछले कई दिनों देश के अलग–अलग शहरों में झंडे को लेकर तालिबान और अफगान जनता के बीच विवाद बढ़ता ही जा रहा है।

दरअसल, तालिबानी आतंकी अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद अब देश का राष्ट्रीय झंडा बदलना चाहते हैं लेकिन युवाओं यह मंजूर नहीं है। तालिबानी सफेद झंडे को युवा खारिज कर रहे हैं। इससे दोनों के बीच कई शहरों में झड़प हुई है। इसमें अब तक कई लोग मारे गए हैं। जलालाबाद शहर में तालिबान और अफगानी जनता के बीच मुठभेड़ हो गई थी। जलालाबाद के निवासियों ने एक मीनार पर लगे तालिबानी झंडे को नीचे उतारा और उसकी जगह अफगानिस्तान का झंडा फहराया था।

जलालाबाद शहर विरोध का केंद्र बन गयाः स्थानीय लोग कार्यालयों पर तालिबान के झंडे की जगह अफगानिस्तान का झंडा फहराने की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए थे। लोगों ने हाथों में अफगान झंडा लेकर मार्च किया और तालिबानी परिवर्तन का विरोध किया था। ताजा घटना में गुरुवार को असादाबाद शहर में अफगानी युवा एक रैली कर रहे थे और इसी दौरान उन्होंने अफगानी झंडा फहराया। तालिबान को यह नागवार गुजरा उसके लड़ाकुओं ने गोलियां बरसा दीं। कई युवाओं के तालिबानी झंडे को फाड़ने की खबर है।

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में असदाबाद के स्थानीय लोगों को लोगों झंडा लेकर प्रदर्शन करते देखा जा सकता है। देश में तालिबान राज आने के बाद उनके शासन के जन विरोध का यह पहला मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि झंडे को लेकर जलालाबाद शहर विरोध का केंद्र बन गया है। लोग अफगानिस्तान के झंडे समर्थन में रैलियां निकाल रहे हैं। तालिबानी झंडे को उखाड़कर फेंक रहे हैं।

तालिबान का कहना है कि अफगानिस्तान में लोकतंत्र नहीं होगा। यहां शरिया कानून है और यही रहेगा। देश के सबसे बड़े पॉप स्टार समेत कई अफगान नागरिक देश छोड़कर भाग चुके हैं। जलालाबाद जैसे जिलों में स्थानीय नागरिकों को तालिबान की गोली का सामना करना पड़ रहा है। समूह के प्रवक्ता वहीदुल्ला हाशिमी ने रॉयटर्स से बात करते हुए कहा, श्कोई भी लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू नहीं होगी क्योंकि हमारे देश में इसका कोई आधार नहीं है।

हम इस बात पर चर्चा नहीं करेंगे कि अफगानिस्तान में किस तरह की राजनीतिक व्यवस्था लागू करनी चाहिए। यह स्पष्ट है कि यहां शरिया कानून है और यही रहेगा।

इंडिगो एयरलाइंस से नहीं कर पाएंगे भारत से यूएई का सफर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात ने इंडिगो की उड़ानों के संचालन पर एक हफ्ते का प्रतिबंध लगा दिया है। सूत्रों के अनुसार कई यात्रियों के डिपार्चर एयरपोर्ट पर अनिवार्य आरटी–पीसीआर टेस्ट से न गुजरने के बाद यह प्रतिबंध लगाया गया है। इंडिगो ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि परिचालन संबंधी मुद्दों के कारण संयुक्त अरब अमीरात के लिए इंडिगों की सभी उड़ानें 24 अगस्त 2021 तक रद्द रहेंगी।

इंडिगो ने कहा कि हमने अपने सभी यात्रियों को इस बारे में सूचित कर दिया है। एक बार परिचालन दोबारा शुरू होने के बाद यात्रियों को दूसरी फ्लाइट में टिकट दिए जाने या रिफंड के साथ मदद की जाएगी। यूएई सरकार की ओर से जारी हालिया गाइडलाइंस के मुताबिक प्रत्येक यात्री को उड़ान के लिए निर्धारित समय से छह घंटा पहले एयरपोर्ट पर आरटी–पीसीआर टेस्ट में नेगेटिव रिपोर्ट प्राप्त करना अनिवार्य है।

वहीं कुवैत ने गुरुवार को भारत के साथ अपनी उड़ान सेवा को दोबारा शुरू करने की घोषणा कर दी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक बुधवार को एक कैबिनेट बयान में कहा गया कि कुवैत भारत और मिस्र के साथ अन्य देशों के साथ कमर्शियल फ्लाइट्स एक बार फिर शुरू करेगा।

बुलेट प्रूफ जैकेट, चश्मा.. ये हैं तालिबानी कमांडो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अफगानिस्तान। अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाले तालिबानी आतंकी एके–47 लिए सलवार कमीज में हर जगह दिखाई दे रहे हैं। ये आतंकी जहां काबुल की चकाचौंध से हतप्रभ हैं, वहीं तालघ्बिानी आतंकियों के एक और रूप से दुनिया हैरान है। जी हां यहां बात हो रही है तालिबान की हाईटेक कमांडो बटालियन बद्री 313 की। तालिबान के स्पेशल फोर्सेस के इन कमांडो ने अब अफगानिस्तान की राजधानी काबुल को अपने कब्जे में ले लिया है। तालिबान के आतंकी अब बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया में इन कमांडो का प्रचार करने में जुट गए हैं। इन कमांडोज के बारे में कहा जा रहा है कि अत्यंत प्रशिक्षित हैं और अमेरिकी हथियारों से लैस हैं।

आईएमएफ ने रोकी अरबों डालर की राशि, तालिबान पर बढ़ेगा दबाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। अफगानिस्तान में बद से बदतर होते हालात के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अफगानिस्तान को मिलने वाली करीब 460 मिलियन डालर की राशि की निकासी को रोक दिया है। आईएमएफ ने ये फैसला वहां पर तालिबान के कब्जे के बाद लिया है। आईएमएफ का कहना है कि तालिबान के आने के बाद देश में असमंजस की स्थिति है।

आईएमएफ का ये फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के दबाव के बाद सामने आया है। बाइडन का कहना है कि ये रकम किसी भी सूरत में तालिबानियों के हाथों में नहीं जानी चाहिए। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने विदेश में जमा देश की अरबों डालर की राशि को भी जब्त करने के आदेश दिए थे। इसके तहत अफगानिस्तान सेंट्रल बैंक की करीब 70 हजार करोड़ रुपये (9.4 अरब डालर) की रकम को जब्त कर लिया गया था। इसकी जानकारी द अफगान बैंक (डीएबी) के कार्यवाहक गवर्नर अजमल अहमदी ने दी थी। गौरतलब है कि अहमदी तालिबान के आने से पहले देश छोड़ चुके थे।

अपनी जानकारी में उन्होंने बताया था कि विदेश में अफगानिस्तान के करीब 9.4 अरब डालर जमा हैं। इनमें से लगभग 50 हजार करोड़ रुपये (7 अरब डालर) अमेरिकी फेडरल रिजर्व बान्ड और संपत्ति के रूप में हैं। इसके अलावा इसमें 10 हजार करोड़ रुपये (1.3 अरब) का सोना भी है।

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में अमेरिकी प्रशासन के बयान का हवाला देते हुए बताया गया है कि इस फैसले के बाद तालिबान (ज्ंसपइंद 2.0) किसी भी सूरत से इस पैसे को हाथ नहीं लगा सकेगा। इसमें कहा गया है कि विदेश मंत्रालय और व्हाइट हाउस ने इस बारे में पहले विचार विमर्श किया था। इसका मकसद बाइडन प्रशासन द्वारा तालिबान पर दबाव बनाना था।

काबुल की चकाचौंध देख ऊटपटांग हरकतें करने लगे तालिबान आतंकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। काबुल पर कब्जा करने के बाद तालिबान के आतंकी खुशी से पागल हुए जा रहे हैं। विभिन्न माध्यमों से सामने आई वीडियो फुटेज इस बात की गवाह हैं। कई फुटेज में तालिबानी आतंकी बच्चों के झूले पर बैठे और ट्रेंपोलिंग पर उछलते दिखाई दिए हैं। आपको बता दें कि तालिबान के आतंकियों में काफी संख्ध्या में नई उम्र के युवा भी शामिल हैं। इनमें से एक का नाम एजानुल्लाह है। ऐसी ही एक इमारत में जब एजानुल्लाह घुसा तो वहां की चकाचौंध देखकर वो पागल हो गया। इस तरह की विलासिता को न तो उसने कभी देखा था और न ही कभी सोचा ही था। एजानुल्लाह ने बताया कि उसके लिए ये सपनों की दुनिया जैसा ही था जिसको छोड़कर वो जाने की सोच भी नहीं सकता था। लेकिन वो बिना अपने आका के आदेश के यहां पर रुक भी नहीं सकता था। इसलिए उसने अपने कमांडर से ये पूछने का फैसला किया कि क्या वो यहां पर रुक सकता है। एजानुल्लाह की उम्र महज 22 वर्ष की है।